डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

परास्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

महाविद्यालय हेतु

पाठ्यक्रम संरचना			
बीओएस संयोजक/बॉस सदस्य का नाम हिन्दी में	पद	विभाग	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय
प्रो0 राधेश्याम सिंह (संयोजक–हिन्दी)	प्रोफेसर	हिन्दी	के.एन.आई.पी.एस.एस., सुलतानपुर
प्रो0 अनीता सिंह (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	जवाहर लाल नेहरू पी.जी. कालेज, बाराबंकी
प्रो0 सुधा पाण्डेय (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	रमा बाई राजकीय महाविद्यालय, अम्बेडकर नगर
प्रो0 सुधा राय (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	राजा मोहन गर्ल्स पी.जी. कालेज, अयोध्या
प्रो0 सदानन्द शाही (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	बी.एच.यू., वाराणासी
प्रो0 वन्दना झॉ (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	बसन्त महिला महाविद्यालय, वाराणासी
प्रो0 सुभाष (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	महाविद्यालय रिसिया, बहराइच

Course Code		Course Title	Credits	T/P	Evaluation	
					CIE	ETE
A	B	C	D	E	F	G
SEMESTER I (YEAR I)						
A010701T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	5	T	25	75
A010702T	CORE	भक्तिकाल हिन्दी काव्य (कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास)	5	T	25	75
A010703T	CORE	भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त	5	T	25	75
A010704T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	5	T	25	75
A010705T		आधुनिक हिन्दी के विविध गद्य रूप	5	T	25	75
A010706P	SECOND ELECTIVE (Select any one)	स्वंय के यात्रावृत्त / रिपोर्ताज / किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर न्यूनतम 8000 शब्दों में लेखन	5	P	50	50
A010707P		परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल के किसी कवि, लेखक या रचना से सम्बन्धित)	5	P	50	50
SEMESTER II (YEAR I)						
A010801T	CORE	रीतिकालीन हिन्दी काव्य (बिहारी, देव, केशव, घनानन्द)	5	T	25	75
A010802T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से मैथिली शरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रा नन्दन पन्त, निराला, महादेवी छायावादी युग तक)	5	T	25	75
A010803T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	5	T	25	75
A010804T	THIRD ELECTIVE (Select any one)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र एंव प्रमुख वाद	5	T	25	75
A010805T		हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार	5	T	25	75
A010806P	FORTH ELECTIVE (Select any one)	हिन्दी दलित विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य	5	P	50	50
A010807P		आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य	5	P	50	50
SEMESTER III (YEAR II)						
A010901T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)	5	T	25	75
A010902T	CORE	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास	5	T	25	75
A010903T	CORE	भारतीय साहित्य–अवधारणा, सिद्धान्त व चयनित रचनाएँ	5	T	25	75
A010904T	FIFTH ELECTIVE (Select any one)	हिन्दी साहित्य और सिनेमा	5	T	25	75
A010905T		हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति (आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक या उसकी रचना से सम्बन्धित)	5	T	25	75
A010906P	SIXTH ELECTIVE (Select any one)	न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति	5	P	50	50
A010907P		अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	5	P	50	50

SEMESTER IV (YEAR II)						
A011001T	CORE	आधुनिक हिन्दी आलोचना–मान्यताएँ एवं प्रमुख वाद	5	T	25	75
A011002T	CORE	हिन्दी नाटक एवं निबन्ध	5	T	25	75
A011003T	SEVEN ELECTIVE (Select any one)	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद एवं धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	5	T	25	75
A011004T		किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य	5	T	25	75
A011005T	RESEARCH PROJECT/DISSERTATION	विभाग द्वारा निर्धारित विषय पर लघुशोध प्रबन्ध एवं तद्आधारित साक्षात्कार।	10	T	25	75

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

एम.ए. – प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल से रीतिकाल) प्रश्न पत्र के अन्र्तगत विद्यार्थियों को हिन्दी के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के विषय में जानकारी देना तथा भारतीय ज्ञान परम्परा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों का परिचय, विकास, पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, अवदान व महत्व आदि की जानकारी देकर छात्रों को उनके विकासक्रम से अवगत कराना, कोर–2 भक्तिकालीन हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अन्र्तगत हिन्दी के भक्तिकालीन कवियों की कविताओं भावगत और शिल्पगत विशेषताओं के बारे में जानकारी देना, कोर–3 भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त प्रश्न पत्र के अन्तर्गत भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त बुनियादी तत्वों एवं विभिन्न सिद्धान्तों से छात्रों को अवगत कराना तथा भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा और उसके स्वरूप से छात्रों को भलीभांति छात्रों को परिचित कराना। प्रथम इलेक्टिब– आधुनिक कथा साहित्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को पूर्व प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्द युग, उत्तर प्रेमचन्द युग तथा स्वातन्त्रयोत्तर युग में उपन्यास और कहानी के विकासक्रम के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान करना तथा आधुनिक हिन्दी के विविध गद्यरूप प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य के सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें हिन्दी गद्य विधाओं के प्रतिनिधि लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। द्वितीय इलेक्टिब– प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विभिन्न विधाओं के तत्वों के आधार पर लेखन कला की कौशल का विकास करना और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। परियोजना प्रस्तुति प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों में विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित करना।

एम.ए. – प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के कोर–1 प्रथम प्रश्न पत्र रीति कालीन हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रमुख रीतिकालीन कवियों के प्रदेय से छात्रों को परिचित कराकर हिन्दी कविता के विकासक्रम से अवगत कराना। कोर–2 आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से छायावाद युग तक) प्रश्न पत्र के अन्तर्गत आधुनिक कवियों की रचनात्मक उनकी वैचारिकी, सम्प्रेषण कला, राष्ट्र निर्माण में आधुनिक काव्य की प्रभावी भूमि का तथा समकालीन भारत के विविध संघर्ष और चुनौतियों के प्रति नवीन दृष्टि और मूल्यबोद्ध से छात्र अवगत होंगे।

कोर–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आधुनिक युग की भूमिका, नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का विकास, भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति से छात्र भलीभांति परिचित हो सकेंगे। तीसरा इलेक्टिव– पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद प्रश्न के अन्तर्गत छात्र पाश्चात्य काव्य के परम्परा स्वरूप प्रमुख सिद्धान्त और विद्वानों के जीवन दर्शन और उनकी संकल्पना से अवगत हो सकेगे। तथा हिन्दी पत्रकारिता एवं जन संचार प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत स्वरूप, रोजगार परक स्वरूप और हिन्दी में रोजगार कौशल के बारे में प्रारम्भिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें व्यस्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामजंस स्थापित करने में सक्षम बनाना और भारतीय संस्कृत और साहित्य के व्यस्विक प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। चौथा इलेक्टिव– हिन्दी दलित विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र दलित विमर्श की वैचारिकी तथा दलित साहित्य के माध्यम से दलित समाज की विडमबना और उनकी सामाजिक स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे। आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आदिवासी समाज और उनके जीवन सघर्ष संस्कृति और परम्परा और मूल्यबोध को आत्मसात कर सकेगें।

एम.ए. – द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर कोर–1 आधुनिक हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आधुनिक काव्य के उद्भव विकास, आधुनिक कवियों की रचनात्मक, वैचारिकता और उनकी सम्प्रेषण कला से परिचित हो सकेगें। कोर–2 भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र हिन्दी भाषा का उद्भव विकास देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी काव्य भाषाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेगें। कोर–3 भारतीय साहित्य अवधारणा सिद्धान्त और चैयनित रचनाएं प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र भारत के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संकट की स्थिति चुनौती से अवगत होगें तथा भारत के स्वर्णिम, गौरवशाली इतिहास परम्परा और संस्कृति के ज्ञान से समृद्ध होगें। पांचवा इलेक्टिव– हिन्दी साहित्य और सिनेमा प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र साहित्य और सिनेमा के अर्न्तसम्बन्ध, साहित्य के फिल्मान्तरण की प्रक्रिया और उसकी चुनौती तथा राष्ट्र निर्माण में साहित्य और सिनेमा की प्रभावी भूमिका से परिचित हो सकेगें। हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों में विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित करना। छठवां इलेक्टिव– सेमिनार एवं प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी और लेखन और वाचन कला से छात्र अवगत होगें। अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र स्त्री विमर्श के स्वरूप अवधारणा मूल संकल्पना, वैचारिकी स्त्री जीवन की चुनौतियाँ और सघर्ष राष्ट्र व सामाजिक निर्माण में स्त्री की प्रभावशाली भूमि का और महत्व से छात्र परिचित हो सकेगें।

एम.ए. – द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर कोर–1 आधुनिक हिन्दी आलोचना–मान्यताएं और प्रमुख वाद प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचकीय दृष्टि एवं विचार का अध्ययन कर सकेगें इससे छात्रों की समझ और दृष्टि विकसित होने में सहायता मिलेगी। कोर–2 हिन्दी नाटक एवं निबन्ध प्रश्न पत्र के अन्तर्गत

छात्र हिन्दी नाटककारों के व्यक्तित्व एवं उनकी नाट्यकला नाटकों पर पाश्चात्य प्रभाव, हिन्दी नाटकों की अभिव्यक्ति शैली प्रमुख निबन्धकारों के जीवन दर्शन और उनकी विचारधारा निबन्ध की मूल संवेदना, विकास यात्रा, भावगत एवं कलागत विशिष्टता, नाटकों की परम्परा जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेगें। सातवां इलेक्टिव– विशेष अध्ययन प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन और उनकी साहित्यिकी रचनाओं में नीहित विचार धारा और मूल्यबोध को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगे। किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र किन्नरों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सघर्ष एवं चुनौतियों से परिचित हो सकेगे तथा किन्नर समुदाय की स्थिति में गुणात्मक सुधार के तत्व खोज सकेगे। रिसर्च प्रोजेक्ट/लघु शोध प्रबन्ध के अन्तर्गत छात्र में अनुसंधान की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010701T

Course Out Comes
विद्यार्थियों को हिन्दी के आदिकाल के बारे में मूलभूत जानकारी प्रदान करना और आदि काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्रदान करना, सिद्ध साहित्य नाथ साहित्य के विकासक्रम, नाथ एवं सिद्धों की विचार धारा में अन्तर तथा दार्शनिक पृष्ठभूमि का सामान्य परिचय, भक्ति की पृष्ठभूमि, मध्य कालीन भक्ति आन्दोलन का परिचय एवं विकास, ज्ञानाश्रयी कवियों की विचार धारा के विभिन्न पक्षों, प्रेमाश्रायी सूफी काव्य के दार्शिनिक सामाजिक पृष्ठभूमि एवं उनके महत्व को छात्रों तक सम्प्रेषित करना, राम, कृष्ण भक्ति का उदय एवं विकास, अवदान तथा महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराना, रीति कालीन परिस्थितियां, सामान्य प्रवृत्तियां, रीति कालीन प्रवृत्त विश्लेषण से अवगत कराना।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Core – I

इकाई – 1 : हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास के लेखन की परम्परा, आधारभूत सामाग्री और साहित्येतिहास पुर्नलेखन की समास्याएं।

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं सीमा निर्धारण, आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितिया, ऐतिहासिक परिदृश्य, कालगत विशेषताएं, नामकरण की समस्याएं, आदिकालीन साहित्य– सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं, आदि कालीन गद्य साहित्य।

इकाई – 3 : भक्ति आन्दोलन का विकास एवं तत्कालीन परिस्थितियां, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, निर्गुण काव्यधाराः– सन्त काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं एवं विशिष्ट कवि, सूफी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएं एवं विशिष्ट कवि

सगुण काव्य धाराः– कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि, राम काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि

इकाई – 4 : रीतिकाल की परिस्थितियाँ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृत और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, काल सीमा निर्धारण व नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ विभिन्न धाराएँ एवं विशिष्ट कवि।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. साहित्य और इतिहास दृष्टिः– डॉ0 मैनेजर पाण्डेय
2. इतिहास और आलोचना :– डॉ0 नामवर सिंह
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :– डॉ0 बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल :– हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य :– शम्भू नाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन
6. रासो साहित्य विमर्श :– माता प्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ0 रामचन्द्र शुक्ल
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ0 नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन– आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, राष्ट्रभाषा परिसर, पटना
10. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य– शिव कुमार मिश्र
11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000
12. रीति काव्य की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र
13. रीति काव्य संग्रह– डॉ0 जगदीश गुप्त

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010702T

Core - 2

Course Out Comes
हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

Core – 2 भक्ति कालीन हिन्दी–काव्य

(कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास)

इकाई – 1 : कबीरदास– ज्ञान बिरह कौ अंगः–

1. हिरदा भीतर दौ बलय...
2. झल उठी झोली जली...
3. दीपक पावक आड़िया...
4. दौ लागि सायर जल्या...
5. प्राणि महै प्रजली...
6. गुर दाधा चेला जल्या...
7. आहेंणी दौलाइया..

<u>**परचा कौ अंग**</u>–

1. पार ब्रम्ह के तेज का...
2. अगम अगोचर गमि...
3. अन्तर कमल प्रकाशिया.....................................
4. कबीर तेज अनन्त का.......................................
5. कौतिक दीठा देंह बिन......................................
6. हद छांणि बेहद गया.......................................
7. सायर नांहि सीप बिन......................................

<u>रस कौ अंग–</u>

1. राम रसायन प्रेम रस....................................
2. मैं मनता तृण न चरय..................................
3. हरि रस पिया जाणिए.................................
4. कबीर हरि रस यौं पिया.............................
5. सबय रसायन मै पिया................................

पदः– दुलहिनि गवहुँ मंगलचार, मन रे मनहि उलट समाना, डगमग छाणिं दे मन बौरा, जतन बिन निरगन खेत उजारे, बहुर हम काहे कूँ आवेगे, मन रे जागत रहिये भाई, हम न मरहि मरिहैं संसारा, तेरा जन एकाग्र है कोई, सन्तों भाई आई ग्यान की आँधी रे।

इकाई – 2 जायसी– पद्मावतः– मानसरोदक खण्ड

इकाई – 3 तुलसीदास– विनय पत्रिका – 18 पद

1. जाउ कहा तजि चरन तिहारे, कबहूक अम्ब अवसर पाई, मन पछितैहें अवसर बीते, हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों, अब लौ नसानि अब न नसहियों, जाके प्रिय न राम बैदेहि, राम जप राम जप राम जप बउरे, तू दयालु दीन हौं, और काहिय मागिये को मागिबो निबारौ, सुन मन मूढ़ सिखावन मेरो, कबहु मन विश्राम न मागय, ऐसी मूढ़ता या मन की, नाचत ही निस दिवस मरयो, केशव कहि न जाय का कहिये, माधव मो समान जगमाही, जौ पै रामचरन रति होते, कबहूँ हौ यहि रहन रहोगो।

इकाई – 4 सूरदास– सूर सागर – 17 पद

विनय के पद :– अविगत गत कछु कहत न आवै, हमारे प्रभु अवगुन चित न धरौ, अब मै नाचौं बहुत गोपाल, चरण कमल बन्दौ हरिराई।

बाल लीला के पदः– चरन गहि अंगूठा मुख मेलत, सोभित कर नवनीत लिये, किलकत कान्ह घुटरूअन आवत, जसोदा हरि पालने झुलावौ, खेलन हरि निकसे हरि कोरि, बुझत श्याम कौन तू गोरी, धेनु दुहति अति ही रति बाढ़ी

भ्रमर गीतः– काहे को रोकत मारग सूधो, उपमा हरि तनु देख लाजानि, मधुवन तुम कत रहत हरे, संदेशो देवकी सो कहियों, निर्गुण कौन देश को वासी, अखिया हरि दर्शन की भूखि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. कबीरः– हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर– कबीर ग्रन्थावली, श्याम सुन्दरदास
4. जायसी और उनका काव्यः– शिव सहाय पाठक साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. जायसी ग्रन्थावलीः– सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. सूर और उनका साहित्य– हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
7. तुलसी काव्य मीमान्सा– परशुराम चर्तुवेदी

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010703T

Core - 3

Course Out Comes
छात्र भारतीय काव्य शास्त्र के परम्परा और उसके स्वरूप से परिचित होगें। काव्य एवं साहित्य का सम्यक रसास्वदन कर सकेगें, भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों की स्थापनाओं से परिचित हो सकेगें।

भारतीय काव्य शास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त

इकाई – 1 : भारतीय काव्य शास्त्र का इतिहास, काव्य का स्वरूप, काव्य भेद, काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य प्रयोजन।

इकाई – 2 : रस सम्प्रदाय– रस का स्वरूप, अवयव रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

इकाई – 3 : अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, स्वरूप और भेद तथा रीति की अवधारणा।

इकाई – 4 : बक्रोक्ति सम्प्रदाय– अवधाराणा, भेद, बक्रोक्ति अभिव्यजनावाद, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय– प्रमुख स्थापनाएं एवं औचित्य के स्वरूप एवं भेद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास– भगीरथ मिश्र
2. काव्यशास्त्र– भगीरथ मिश्र
3. काव्य दर्पण– रामदहिम मिश्र
4. काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज– डॉ0 राम मूर्ति त्रिपाठी
6. काव्य के सिद्धान्त और अध्ययन– गुलाब राय
7. रस सिद्धान्त– डॉ0 नगेन्द्र
8. अलंकार धारणा विकास और विश्लेषण–शोभाकान्त मिश्र
9. काव्यालोचन–ओम प्रकाश शर्मा
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त– डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010704T

वैकल्पिक (1) (First Elective) (Select any one)

Course Out Comes
बीसंवी शताब्दी से लेकर आज तक कथा साहित्य ने कितना विकास किया, कितनी बार नये–नये मोड़ लिये, आज कैसे साहित्य की यह विधा हमारे जन जीवन से जूड़ी हुई है–इसका विद्यार्थियों को भलीभांति बोध कराना।

आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

इकाई – 1 : उपन्यास– पृष्ठभूमि, हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास– 1.पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग, स्वातन्त्रयोत्तर युग– सामाजिक उपन्यास, समाजवादी यथार्थवाद के उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, प्रयोगशील उपन्यास, आधुनिकता बोध के उपन्यास।

इकाई – 2 : ''गोदान''– प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

अथवा

''नदी के द्वीप''– अज्ञेय, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई – 3 : कहानी– पृष्ठभूमि हिन्दी कहानी उद्भव एवं विकास–1. पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द प्रसाद युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग 4. स्वातन्त्रयोत्तर हिन्दी कहानी तथा कथाकार।

इकाई – 4 : संकलित कहानियाँ–

1. पुरस्कार–जयशंकर प्रसाद
2. बूढ़ी काकी–प्रेमचन्द
3. चीफ की दावत–भीष्म साहनी
4. जिन्दगी और जोंक–अमरकान्त
5. नीली झील–कमलेश्वर

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी
2. गोदान का मूल्यांकन–सत्य प्रकाश मिश्र
3. प्रेमचन्द और उनका युग–राम विलास शर्मा
4. हिन्दी उपन्यास 1950 के बाद–डॉ0 नित्यानन्द तिवारी
5. नई कहानी – सन्दर्भ और प्रकृतिः– सम्पादक : देवी शंकर अवस्थी
6. हिन्दी कहानी – एक अंतरंग पहचान, राम दरश मिश्र
7. कहानी, नई कहानी–प्रो0 नामवर सिंह

अथवा

हिन्दी पी0जी0 – A010705T

वैकल्पिक (1) (First Elective) (Select any one)

Course Out Comes
बीसवीं सदी भारतीय जीवन के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अनेक प्रकार के प्रयोगों की सदी है। अंग्रेजी भाषा के साहित्य के अध्ययन से जहां हिन्दी साहित्य जगत में कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध और आलोचना के क्षेत्र में नई–नई प्रवृत्तियां ग्रहण की गई वहा अनेक नई विधाएं–संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य रिपोर्ताज प्रमुख हैं। ये सभी विधाएं किस तरह परस्पर घुली मिली है और इनमें किस प्रकार विभाजक रेखा अत्यन्त कठिन है–इसकी जानकारी छात्रों को प्रेषित करना।

आधुनिक हिन्दी विविध गद्य रूप

इकाई – 1 : रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण, विकास एवं तात्विक विवेचन

इकाई – 2 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी की परिभाषा, विशेषताएं एवं विकासक्रम

इकाई – 3 : फीचर, साक्षातकार, हास्यव्यंग, जीवनी का विकास, विशेषताएं तथा आवश्यक तत्व

इकाई – 4 : संकलित विविध गद्य विधाएं–

1. रेखाचित्र – बाल गोविन्द भगत–रामवृक्ष वेनीपुरी
2. संस्मरण – आलोपी–महादेवी वर्मा
3. आत्मकथा – असुविधा का उपयोग–देवराज उपाध्याय
4. यात्रावृत–मौत की घाटी में–अज्ञेय
5. रिपोर्ताज–मानुष बने रहो–फणीश्वर नाथ रेणु
6. डायरी–एकान्तिक संताप और सच्चाई की दास्तान–मोहन राकेश
7. फीचर–इलाहाबाद–बटरोही
8. साक्षात्कार–जो अपना आदर्श बेच देता है खरीदने को कुछ नहीं बचता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. जीवनी–आवारा मसीहा : दिशा हारा–विष्णु प्रभाकर
10. हास्य व्यंग–एकलब्य ने गुरू को अंगूठा दिखाया–हरि शंकर पारसाई।

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010706P

वैकल्पिक (2) (Second Elective) (Select any one)

स्वयं के यात्रा वृत्त / रिपोर्ताज / किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर

न्यूनतम 8000 शब्दों में लेखन

अथवा

परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल के किसी कवि लेखक या रचना से सम्बन्धित)

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010801T

Core - 1

Course Out Comes
हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और प्रमुख रीतिकालीन कवियों के प्रदेय से परिचित कराना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकासक्रम से अवगत कराना। राज्य दरवारी काव्य परम्परा में सामन्त वर्ग का प्रभुत्व रचना को किस प्रकार विकृत श्रृंगारिकता की ओर धकेलकर ले गया, बिहारी का रचना कर्म इसका साक्षी है– इसकी जानकारी छात्रों को देना एवं घनानन्द काव्य को रूढ़िबद्ध परम्परा से मुक्ति दिलाते हुए अपने प्रगतिशील होने के दावे को पुख्ता करते हैं– इसकी समझ छात्रों में विकसित करना। देव ने किस प्रकार श्रृंगार को प्रमुख विषय बनाते हुए कविता में कल्पना और भावुकता का समावेश किया, अलंकारों के मोह में पड़ने के कारण किस प्रकार इनकी कविता कमजोर पड़ती है तथा केशव को क्यों कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है इसका विद्यार्थियों को बोध कराना।

रीतिकालीन हिन्दी–काव्य (बिहारी, देव, केशव, घनानन्द)

इकाई – 1. बिहारी

1. मेरी भव बाधा हरौ...
2. नीकी दई अनाकनी..
3. कौन भॉति रहिहैं विरद...
4. या अनुरागी चित की..
5. तजि तीरथ हरि राधिका...
6. जप माला छापा तिलक...
7. बढ़त–बढ़त समपति सलील..................................
8. बैठि रही अति सघन वन.......................................
9. कहलाने एकत बसत..
10. चिरजीवौ जोरी जुरै...

11. खेलन सिखए अलिभले...
12. तंत्रीनाद कवित्त रस..
13. लिखनि बैठी जाकी सबी.......................................
14. चमचमात चंचल नयन..
15. कोटि जतन कोई करै..
16. इन दुखिया अखियान को......................................
17. सीस मुकुट कटि काछनी......................................
18. औंधाई सीसी सुलगि..
19. कहत सबै बेदी दिए..
20. करी विरह ऐसी तऊ...
21. गिरि ते ऊँचें रसिक मन......................................
22. करके मीड़े कुसुम लौ..
23. पत्रा ही तिथि पाइये...
24. छुटी न शिशुता की झलक.................................
25. कहत नटत रीझत खिझत.................................

इकाई – 2. केशवदास

1. बालक मृणालनि..
2. बानी जगरानी की उदारता................................
3. पूरण पुराण अरू पुरूष पुराण..........................
4. मूलन ही की जहां अधोगति..............................
5. शोभित मंचन की अवली....................................
6. दिग्पालन की भू पालन की.............................
7. केशव ये मिथिलाधिप हैं..................................
8. सब क्षत्रीय आदि दै काहू................................
9. अपने–अपने ठौरनि तौ....................................
10. बज्र ते कठोर है..
11. को है दमयन्ती...
12. बरबान सिखिन आशेष समुद्रय....................
13. केशवदास नींद, भूख, प्यास.........................
14. वासौ मृग अंक कहय....................................
15. दानिन के सील परदान के प्रहरिदीन........

इकाई – 3. देव–रीति काव्य धारा–सम्पादक रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी

छन्द संख्या– 2,3,6,8,10,14,19,26,28,33,39,40,43,48

इकाई – 4. घनानन्द

1. झलकति अति सुन्दर......................................
2. हीन भए जलमीन अधीन...............................
3. पूरन प्रेम कोमंत्र...
4. तबतो छवि पीवत जीवत.............................
5. पहले अपनाय सुजान...................................
6. रावरे रूप की रीति अनूप...........................
7. आस ही अकासमधि....................................
8. घन आनन्द जीवन मूल सुजान.................
9. आशा गुन बाधि के.....................................
10. अन्तर उदवेग दाह......................................
11. कंत रमै उर अन्तर में................................
12. अकुलानी के पानि परयौ दिन राति.........
13. सुधा के सर्वत्र बिष.....................................
14. गरल गुमान की गरावनि ....
15. निस द्यौस खरी...

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. घनानन्द और स्वच्छंद काव्य धारा– मनोहर लाल गौण
2. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरीलाल
3. केशवदास : एक अध्ययन–राम रतन भटनागर
4. केशवदासः जीवनी कला और कृतित्व – किरण चन्द्र शर्मा
5. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ0 बच्चन सिंह

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010802T

Core - 2

Course Out Comes
छायावाद काव्य आन्दोलन, आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास में छायावाद की सही परख एवं पहचान छात्र कर सकेगें। छायावाद के चार आधार स्तम्भ–प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी वर्मा का परिचय एवं उनकी कविताओं का सम्यक अर्थ बोध छात्र प्राप्त कर सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से छायावाद युग तक)

इकाई – 1. मैथिलीशरण गुप्त

1. दोनो ओर प्रेम पलता है...
2. सखी वे मुझसे कहकर जाते(यशोधरा)..............................
3. रूदन का हँसना ही तो गान(यशोधरा)..............................

इकाई – 2. जयशंकर प्रसाद

1. अरूण यह मधुमय देश हमारा (चन्द्रगुप्त नाटक से) ....
2. बीती विभावरी जाग री (लहर) ....
3. ले चल मुझे भुलावा देकर (लहर) ....
4. जो घनीभूत पीड़ा थी (ऑसू) ....
5. इस करूणा कलित हृदय में (ऑसू).....................................
6. मानस सागर के तट पर (ऑसू)...
7. आती है शून्य क्षितिज से (ऑसू)...
8. क्यों व्यथित ब्योग गंगा सी (ऑसू).......................................

इकाई – 3. निराला

1. जागो फिर एक बार..
2. संध्या सुन्दरी..
3. कुकरमुत्ता..

इकाई – 4. सुमित्रानन्दन पन्त

1. बापू के प्रति...
2. ताज...
3. मोह..
4. मानव (''गुंजन'' काव्य संग्रह से)..................................
5. भारत माता (युग वाणी काव्य संग्रह से).......................

इकाई – 5. महादेवी वर्मा

1. मैं नीर भरी दुःख की बदली..
2. निशा को धो देता है राकेश...
3. पुलक पुलक उर सिहर सिहर तन.................................
4. विरह का जलजात जीवन..

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ–डॉ0 नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिन्दी कविता–आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र
5. कविता के नये प्रतिमान–डॉ0 नामवर सिंह

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010803T

Core - 3

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र आधुनिक युग की भूमिका राष्ट्रीय स्वधीनता आन्दोलन का विकास, नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का विकास भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति से छात्र परिचित हो सकेगें।

हिन्दी साहित्य इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई – 1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, परिस्थितियाँ, हिन्दी गद्य का विकास (ईसाई मिशनरी, फोर्ट विलियम कालेज, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका)

इकाई – 2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 4. छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 5. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तिया : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास–नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 ओंकार नाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समास्याएँ– डॉ0 रामविलास शर्मा

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010804T

(Third Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (3)

Course Out Comes
पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा व उसके स्वरूप से परिचित हो सकेगें। प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना के साथ ही सिद्धान्तों की स्थापनाओं से अवगत हो सकेगें।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद

इकाई – 1.

1. पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय।
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त।
3. अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत।

इकाई – 2.

1. लोंजाइनस का औदात्य के सिद्धांत।
2. टी0एस0 इलियट का निर्वयैक्तिकता का सिद्धांत।

इकाई – 3.

1. सिद्धान्त और वाद– स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त–डॉ0 निर्मला जैन
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त–शन्ति स्वरूप गुप्त
4. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद–सुधीस पचौरी
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–भगीरथ मिश्र

अथवा

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010805

(Third Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (3)

Course Out Comes
इस पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत स्वरूप, हिन्दी के रोजगार परक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेगें तथा हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होने के साथ ही विद्यार्थियों के नये समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई – 1.

1. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप,स्वत्रता पूर्व और स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता, संक्षिप्त उद्‌भव एवं विकास, भारतीय हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न चरण– भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, द्विवेदी युगीन पत्रकारिता– स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, छायावाद युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता–विभिन्न आयाम और मूल्यांकन।

इकाई – 2.

1. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता : एक मूल्यांकन–दैनिक पत्र, साप्ताहिक पत्र, पाक्षिक, मासिक पत्र, इक्कीसवी सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियाँ एवं दायित्व, पत्रकारिता का व्यसायीकरण, मीडिया और समाज।

इकाई – 3.

1. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की स्थिति व समस्याएं, स्वामित्व का प्रश्न, पत्रकारिता के सिद्धान्त–स्वरूप व क्षेत्र

इकाई – 4.

1. जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टी0 वी0, फिल्म, वीडियों एवं इण्टरनेट।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य–राम अवतार शर्मा
2. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
3. मीडिया मिशन से बाजारीकरण तक – राम शरण जोशी
4. हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम– वेद प्रताप वैदिक
5. मीडिया–विमर्श– राम शरण जोसी

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010806

(Fourth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (4)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र दलित विमर्श के स्वरूप, पृष्ठभूमि, मूल संकल्पना के इतिहास से परिचित हो सकेगे साथ ही साथ दलित विमर्श के उद्देश्य एवं वर्तमान सन्दर्भो में उसकी आवश्यकता को समझ सकेगें।

हिन्दी दलित विमार्श का सामाजिक अध्ययन

इकाई – 1.

1. दलित विमर्शः अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2. दलित विमर्श अवधारणा तथा पृष्ठभूमि
3. दलित साहित्य चिन्तन का वैचारिक आधार

इकाई – 2.

1. दलित साहित्य की परम्परा, भारत के प्रमुख सामाजिक आन्दोलन
2. दलित मुक्ति का सवाल, अस्मिता और अस्तित्व का प्रश्न

इकाई – 3.

1. दलित साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक सरोकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4.

1. आत्मकथा– मूर्दहिया–डॉ0 तुलसीराम
2. उपन्यास–''छप्पर''–डॉ0 जय प्रकाश कर्दम
3. कहानी–हारे हुए लोग–मोहनदास नैमिशारण्य, सूरजपाल –सजिस चौहान, सिलिया–सुशीला टाँकभौरे
4. कविता–बस बहुत हो चुका–ओम प्रकाश वाल्मिकी (प्रारम्भिक पाँच कविता)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र– ओमप्रकाश वाल्मिकी
2. दलित साहित्य के प्रतिमान–डॉ0 एन0सिंह
3. दलित दुनिया–प्रो. कालीचरन सनेही
4. हिन्दी साहित्य में दलित चेतना–डॉ0 आनन्द वास्कर
5. दलित साहित्य का मूल्यांकन–प्रो0 चमन लाल

अथवा

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010807

(Fourth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (4)

Course Out Comes
छात्र आदिवासी विमर्श में स्वरूप पृष्ठभूमि तथा मूल संकलपना के दर्शन से अवगत हो सकेगें तथा आदिवासी विमर्श के अध्ययन की आवश्यकता व उद्देश्य को समझ सकेगें।

आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1.

1. आदिवासी विमर्श के परिभाषा तथा अवधारणा एवं वैचारिकी व आन्दोलन
2. जल जंगल जमीन का सवाल और आदिवासी समाज।
3. सामाजिक एवं सांस्कृतिक चुनौती।

इकाई – 2. उपन्यास–

1. संजीव–धार अथवा राणेन्द्र–ग्लोबल गाँव का देवता।

इकाई – 3. कविताएँ–निर्मला पुतुल की कविताएँ

1. क्या तुम जानते हो, आदिवासी स्त्रियां, उतनी दूर मत ब्याहना (''नगाड़े की तरह बजते शब्द'' काव्य संग्रह से), क्या हूँ मैं तुम्हारे लिए, बिटिया मुर्मू के लिए 1,2,3.

इकाई – 4.

कहानी–अमली–हरिराम मीणा, परती जमीन–पीटर पाल एक्का, कानीबाट–मेहरूनिशा परवेज

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आदिवासी दर्शन और साहित्य–वन्दना टेटे
2. आदिवासी साहित्य परम्परा और प्रयोजन–वन्दना टेटे
3. आदिवासी अस्मिता का संकट–रमणिका गुप्ता
4. भारत के आदिवासी–प्रो0 मधुसूदन त्रिपाठी
5. आदित संस्कृति एवं राजनीति–एम0 कुमार
6. आदिवासी स्वर्ग– हरि नारायण दत्त एवं जसप्रीत बाजवा
7. साहित्य के आइने में आदिवासी विमर्श–डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं डॉ0 शगुफ्ता नियाज
8. समकालीन हिन्दी आदिवासी साहित्य–डॉ बिजाबी
9. भारतीय वांगमय और दलित चेतना–डॉ0 अनिल कुमार सिंह

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010901T

Core - 1

Course Out Comes
छात्र आधुनिक काव्य के उद्भव एवं विकास, सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होगें तथा आधुनिक कवियों से शिल्पगत विशेषताओं से परिचित होगें।

आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)

इकाई – 1. नागार्जुन–बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल, प्रतिबद्ध हूँ, तालाब की मछलियाँ
मुक्तिबोध– मुझे कदम–कदम पर, बहुत दिनों से।

इकाई – 2. अज्ञेय–साँप, नदी के द्वीप, कलंगी बाजरे की धूमिल–अकाल दर्शन, कविता, किस्सा जनतंत्र।

इकाई – 3. मान बहादुर सिंह–कविता का विश्वास कलकत्ता में, मुझे अच्छा लगता है, हँसी, ईश्वर की समकालीन लाचारी, सरपत

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
2. दूसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
3. तीसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
4. नई कविता और अस्तित्ववाद–डॉ0 राम विलास शर्मा।
5. हिन्दी कविताः आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र।
6. हिन्दी कविता की प्रवृत्ति–डॉ0 हरि दयाल।
7. कविता की रचना यात्रा–डॉ0 राज कुमार शर्मा।
8. समकालीन हिन्दी कविता–डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
9. समकालीन कविता का यथार्थ–डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव।

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010902T

Core - 2

Course Out Comes
भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी, विद्यार्थी हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

इकाई – 1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली।

इकाई – 2 (क) भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ, स्वरूप और दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, उपयोगिता, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

(ख) वाक्य विज्ञान–वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण।

(ग) अर्थ विज्ञान–अर्थ अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(घ) रूप विज्ञान–रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(ड़) ध्वनि विज्ञान–ध्वनि अध्ययन के आयामः उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिम विज्ञान।

इकाई – 3. हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश औहट साहित्य और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध), हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ–काव्य भाषा के रूप में अवधी का उद्‌य और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास।

इकाई – 4. <u>हिन्दी रूप रचना:</u>

(क) हिन्दी संज्ञा, वचन, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिन्ह

(ख) हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास।

(ग) विशेषण की रचना एवं विकास।

(घ) हिन्दी क्रियाः धातु, कृदन्त, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया।

(ड़) नागरी लिपि–उद्‌भव और विकास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त–राम किशोर शर्मा।
2. भाषा विज्ञान–भोलानाथ तिवारी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–देवेन्द्र नाथ शर्मा।
4. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र।
5. भाषाशास्त्र की रूप रेखा–उदय नरायण तिवारी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास–धीरेन्द्र वर्मा।
7. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास–भोलानाथ तिवारी।
8. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम–रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
9. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास–उदय नरायण तिवारी।
10. हिन्दी उद्‌भव, विकास और रूप– हरदेव बाहरी।

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010903T

Core - 3

Course Out Comes
विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य के प्रति समझ विकसित करना, भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परा के आलोक में साहित्य का रसास्वदन कराना, देश की सभ्यता व विविध संस्कृत से परिचित कराना, राष्ट्रीय मूल्य व चेतना का बीजारोपण करना तथा राष्ट्र की एकता व अखण्डता एवं सम्प्रभुता की स्थापना में सहायता करना।

भारतीय साहित्य–अवधारणा, सिद्धान्त व चयनित रचनांए

इकाई – 1. भारतीय साहित्य–स्वरूप, लक्षण, महत्ता एवं बहुलता, अवधारणा एवं व्यापकता, मूल्य चेतना, भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप, आधार तत्व, भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय–बंगला, असमिया, कश्मीरी एवं तमिल।

इकाई – 2. (क) उपन्यास–रविन्द्रनाथ टैगोर कृत ''गोरा''

अथवा

यू0आर0अनन्त मूर्ति कृत ''संस्कार''

(ख) नाटक– विजय तेन्दुलकर कृत ''घासीराम कोतवाल''

इकाई – 3. कहानी–कुर्रतुल एन हैदर (उर्दू) – ''अगले जनम बिटिया ही कीजो''

इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)– एक अविस्मरणीय यात्रा।

इकाई – 4. (क) कविता–सुनील गंगोध्याय (बंगला)– ''थोड़ी सी प्यार की बातें।''

(ख) कण्णदासन(तमिल)–''कवि अनुभूति''

(ग) सीताकान्त महापात्रा (उड़िया)–''कवि कर्म''

(घ) जी0शंकर कुरूप (मलयालम)–''बाँसुरी''

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आज का भारतीय साहित्य–प्रभाकर माचबे।
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र।
3. भारतीय साहित्य कोश–डॉ0 नगेन्द्र।
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन– गौरीशंकर पाण्डेय।
5. अखिल भारतीय साहित्यः विविध आयाम–सम्पादक– सतीश कुमार रेहरा।
6. भारतीय भाषा साहित्य–विभूति मिश्र।
7. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी0डी0।

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010904T

(Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (5)

Course Out Comes
छात्र साहित्य और सिनेमा के अन्तर सम्बन्धों से परिचित हो सकेगें तथा सिनेमा के आधारभूत तत्वों एवं साहित्य फिल्मान्तरण की प्रक्रिया व उसकी चुनौती को समझ सकेगें।

हिन्दी साहित्य और सिनेमा

इकाई – 1. (क) साहित्य और सिनेमा–स्वरूप और महत्व

(ख) सिनेमा के अर्न्तनिहित तत्व।

(ग) सिनेमा के ऐतिहासिक विकास यात्रा।

(घ) साहित्य और सिनेमा का अन्तर सम्बध।

इकाई – 2. (क) साहित्य के फिल्मान्तरण की समास्या और चुनौती।

(ख) साहित्यिक सिनेमा का सामाजिक, आर्थिक, राजनीति व सांस्कृतिक प्रभाव

इकाई – 3.(क) प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ–तमस,यही सच है, तीसरी कसम तथा चारणदास चोर के फिल्मान्तरण पर परिचर्चा।

(ख) राष्ट्र और समाज निर्माण में साहित्यिक सिनेमा की वैचारिक भूमिका।

इकाई – 4. (क) भारतीय समाज का यथार्थ एवं हिन्दी सिनेमा

(ख) साहित्यिक सिनेमा का भविष्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–डॉ0 पुनीत विसारिया
2. नया सिनेमा–बृजेश्वर मदान
3. हिन्दी सिनेमा का इतिहास–मनमोहन चड्ढा
4. भारतीय सिनेमा सिद्धान्त–अनुपम ओझा
5. हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
6. सिनेमा कल आज और कला–विनोद भारद्वाज
7. राजकपूर : आधी हकीकत आधा फँसाना– प्रहलाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर–प्रताप सिंह

अथवा

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010905T

(Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (5)

Course Out Comes
छात्रों में परियोजना प्रस्तुति के माध्यम से विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित होगी।

हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति

(आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक व उसकी रचना से सम्बन्धित)

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010906T

(Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

Course Out Comes
सेमीनार प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी एवं शोध लेखन व वाचन की कला से छात्र अवगत होगें।

न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति

अथवा

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010907T

(Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

Course Out Comes
स्त्री विमर्श के स्वरूप एवं अवधारणा, मूल संकल्पना और वैचारिकी से, स्त्री मुक्ति के सवालों और प्रयासों को समझने में छात्रों को सहायता होगी।

अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1. स्त्री विमर्शः अर्थ स्वरूप एवं उद्देश्य, अवधारणा एवं वैचारिक संकल्पना, स्त्री विमर्श का इतिहास–पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में, भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न, स्त्री मुक्ति का सवाल, पितृसत्ता की च ुनौती व संघर्ष, वर्तमान सन्दर्भ में स्त्री विमर्श की दिशा एवं दशा।

इकाई – 2. उपन्यास–आपका बंटी–मन्नू भन्डारी।

इकाई – 3. (क) कहानी–सिक्का बदल गया–कृष्णा सोवती

(ख) ततईया–नासिरा शर्मा

(ग) गुल की बन्नो–धर्मवीर भारती

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. उपनिवेश में स्त्री–प्रभा खेतान
2. स्त्री उपेक्षिता–प्रभा खेतान
3. स्त्री संधर्ष का इतिहास–राधा कुमार
4. भविष्य का स्त्री विमर्श–ममता कालिया
5. साहित्य की जमीन और स्त्री–रोहिणी अग्रवाल
6. आलोचना का स्त्री पक्ष, पद्धति, परम्परा और पाठ–सुजाता
7. स्त्री का समय–क्षमा शर्मा
8. स्त्री विमर्श–रमणिका गुप्ता

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011001T

(Core - 1)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम से आलोचना के अर्थ स्वरूप परिभाषा, आलोचना के प्रकार एवं उनकी विशिष्टताओं से तथा हिन्दी आलोचना के उद्‌भव एवं विकास यात्रा को छात्र भलीभांति समझ सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी आलोचना की मान्यताएं एवं प्रमुख वाद

इकाई – 1. आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार तथा विशिष्टता।

इकाई – 2. हिन्दी आलोचना का विकास।

(क) शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना।

(ख) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

(ग) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

इकाई – 3. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचनात्मक दृष्टि– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–बच्चन सिंह
2. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
3. आलोचना का नया पाठ–गोपेश्वर सिंह
4. हिन्दी आलोचना का विकास–नन्द किशोर नवल
5. आस्था और सौन्दर्य–रामविलास शर्मा।
6. आस्था के चरण–डॉ0 नगेन्द्र
7. दूसरी परम्परा की खोज–नामवर सिंह

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011002T

(Core - 2)

Course Out Comes
छात्र हिन्दी निबन्ध के अर्थ स्वरूप और उद्देश्य तथा विकास यात्रा से परिचित हो सकेगें। हिन्दी निबन्धों के भाषागत और कलागत विशेषताओं को समझ सकेगें। हिन्दी नाटक के स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, नाटक के उद्भव एवं उसकी विकास यात्रा तथा नाटक और रंगमंच के अन्तर्सम्बन्ध से परिचित हो सकेगें।

हिन्दी गद्य साहित्य– नाटक एवं निबन्ध

इकाई – 1. नाट्य रचना–स्कन्द गुप्त–जयशंकर प्रसाद

अथवा

असाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

इकाई – 2. निर्धारित निबन्धों की व्याख्या एवं समीक्षा–

(क) नाखून क्यों बढ़तें है–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रासंगिकता का प्रश्न–अज्ञेय

(ग) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–डॉ0 विद्या निवास मिश्र

(घ) ईर्ष्या–रामचन्द्र शुक्ल

(ड़) आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी निबन्ध का विकास–डॉ0 ओमकार नाथ शर्मा
3. निबन्ध सिद्धान्त और प्रयोग–डॉ0 हरिहर नाथ द्विवेदी
4. मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरिश रस्तोगी
5. आचार्य शुक्ल और हिन्दी समीक्षा–डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
6. आचार्य शुक्लः सन्दर्भ और दृष्टि–डॉ0 जगदीश नारायण

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011003T

(Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं में निहित विचारधारा मूल्यबोध व आलोचकीय दृष्टि को समझने में सहायता प्राप्त होगी।

कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद एवं धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)

पाठ्यक्रम–निम्नलिखित साहित्यकारों में से मात्र किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित हैः–

1. **कबीरदास–**

   कबीर ग्रन्थावली सम्पादक डॉ0 श्याम सुन्दर दास

   (सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारम्भिक 150 पद)

2. **जायसी–**

   जायसी ग्रन्थावली सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल

3. **सूरदास–**

   सूरसागर (भाग एक और दो) – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

4. **तुलसी–**

   तुलसी ग्रन्थावली – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

   (व्याख्या केवल रामचरित मानस, विनय पत्रिका और कवितावली से)

5. **जयशंकर प्रसाद–**

   प्रसाद ग्रन्थावली – रत्न शंकर प्रसाद

   (व्याख्या केवल कामायनी, आंसू, लहर तथा चन्द्रगुप्त तथा स्कन्दगुप्त से)

6. **सुदामा प्रसाद पाण्डेय "धूमिल"–**

   संसद से सड़क तक –

   (व्याख्या केवल मोचीराम, पटकथा, कविता, बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्यादय में, अकाल दर्शन, नक्सल बाड़ी,भाषा की रात)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक
3. कबीर साहित्य की परख–परशुराम चतुर्वेदी
4. जायसी और उनका काव्य–शिव सहाय पाठक
5. जायसी ग्रन्थावली–रामचन्द्र शुक्ल
6. सूर और उनका साहित्य–हरवंश लाल शर्मा
7. सूरदास–बृजेश्वर वर्मा
8. तुलसी काव्य मीमांसा–उदयभान सिंह

अथवा

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011004T

(Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

Course Out Comes
किन्नर विमर्श के स्वरूप पृष्ठभूमि पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ से छात्र परिचित हो सकेगें तथा किन्नर विमर्श के मूल संकल्पना एवं वैचारिकी एवं किन्नर समुदाय की सामाजिक स्थित का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेगे।

किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1. किन्नर साहित्य : अर्थ स्वरूप एवं परिभाषा, अवधारणा एवं उद्देश्य, किन्नर विमर्श का इतिहास–

1. पौराणिक 2. आधुनिक सन्दर्भ, चुनौती एवं संघर्ष।

इकाई – 2. उपन्यास–

नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल अथवा

दर्द न जाने कोई –लवलश

इकाई – 3. कहानी–

(क) ई मूर्दन का गांव–कुसुम अंसल

(ख) किन्नर– एस.आर. हरनोट

(ग) बिन्दा महाराज–शिव प्रसाद सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. थर्ड जेन्डर का यथार्थ– शगुफ्ता नियाज
2. थर्ड जेन्डर – डॉ. एम. फिरोज खान
3. किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में – डॉ. इकरार अहमद
4. थर्ड जेन्डर विमर्श – शरद सिंह
5. थर्ड जेन्डर – अस्मिता और सघर्ष–डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह एवं रवि कुमार गौड़
6. हिन्दी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेन्डर– डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह
7. थर्ड जेन्डर – विशेषांक – अप्रैल से सितम्बर– 2018
8. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेन्डर– डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं सिपरा किरण

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011005T

(Research Project/Dissertation)

लघु शोध प्रबन्ध (मौखिक परीक्षा सहित)

नोटः–

1. इस प्रश्न–पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
2. लघु शोध प्रबन्ध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा निर्देशन में किया जायेगा।
3. इसके लिखित अंक 50 और मौखिक अंक 50 होगें।
4. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी वाह्य परीक्षकों द्वारा सम्पन्न होगी।